न्यूज डायरी

पाक अभिनेत्री के घर में घुसे बंदूकधारी, छेड़छाड़ और धमकी देने का आरोप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तानी अभिनेत्री उजमा खान के घर में घुसे अज्ञात बंदूकधारियों ने जमकर उत्पात मचाया। उजमा ने आरोप लगाया कि बंदूकधारियों ने उनकी बहन के साथ ही भी शारीरिक हिंसा की और धमकियां भी दी। पुलिस को दी गई कंप्लेन में उजमा ने दावा किया कि बदमाशों के साथ उनके घर आई महिला रियल एस्टेट कंपनी बहरिया टाउन के चेयरमैन मलिक रियाज की बेटी है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक कथित विडियों में उजमा खान और उनकी बहन हुमा को एक महिला धमकी दे रही है। उस महिला ने अपने पति उस्मान के साथ उजमा का संबंध होने का आरोप भी लगाया। एक दूसरे विडियों में कुछ हथियारबंद लोग उजमा और हुमा के साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं।

मोनिका लेविंस्की के अलावा एक और महिला से था अफेयर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन एक बार फिर अपने प्रेम प्रसंगों को लेकर चर्चा में हैं। हाल में ही प्रकाशित एक किताब में क्लिंटन पर आरोप लगाया गया है कि उनका मोनिका लेविंस्की के अलावा एक और महिला घिसलाइन मैक्सवेल के साथ भी अफेयर था। किताब में यह भी दावा किया गया है कि घिसलाइन ने अमेरिकी फाइनेंसर जेफरी एपस्टीन के लिए लड़कियों की खरीदारी भी की थी। किताब के अनुसार, विदेश यात्रा के दौरान क्लिंटन ने कई बार एपस्टीन के जेट प्लेन का प्रयोग किया। यात्रा के दौरान मैक्सवेल उनके साथ ही रहती थी। क्लिंटन कई बार मैनहट्टन में स्थित मैक्सवेल के घर पर भी जा चुके हैं। बता दें कि क्लिंटन पर उनके राष्ट्रपति पद के कार्यकाल के दौरान व्हाइट हाउस में एक इंटर्न मोनिका लेविंस्की से छेड़छाड़ का भी आरोप लग चुका है। जुलाई 2010 में न्यूयॉर्क में आयोजित चेल्सी क्लिंटन की शादी में शामिल कुछ खास मेहमानों में घिसलाइन मैक्सवेल भी थीं।

अमेरिका में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या एक लाख के पार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। पूरी दुनिया को अपनी चपेट में लेने वाले कोरोना वायरस ने अमेरिका में सबसे भयंकर तबाही मचायी है जहां इस वायरस के संक्रमण के कारण जान गंवाने वाले लोगों की संख्या एक लाख को पार कर गई है। दुनिया में किसी भी अन्य देश में कोविड–19 के कारण इतने अधिक लोगों की मौत नहीं हुई है। कोरोना वायरस ने पूरे विश्व में तबाही मचा रखी है, जनजीवन ठहर सा गया है और आर्थिक गतिविधियां ठप पड़ी हैं। अमेरिका में एक तिहाई लोगों की मौत दुनिया की वित्तीय राजधानी माने जाने वाले न्यूयॉर्क, उसके नजदीकी इलाके न्यूजर्सी और कनेक्टिकट में हुई हैं। इसका अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर भी बहुत बुरा प्रभाव पड़ा है, यहां मंदी आ गई है और बीते तीन महीने में 3.5 करोड़ से अधिक लोगों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। हालांकि मृत्यु दर और नए मामलों की संख्या में अब कमी आने लगी है।

ईरान परमाणु समझौते के तहत मिल रही सभी रियायतों को अमेरिका समाप्त करेगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नीत प्रशासन ‘2015 के ईरान परमाणु समझौते’ के तहत अमेरिकी प्रतिबंधों से अब भी मिल रही लगभग सभी रियायतों को समाप्त करने जा रहा है। अमेरिका के मौजदा और पूर्व अधिकारियों समेत संसद के सलाहकारों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ इस समझौते से जुड़ी केवल एक रियायत को छोड़कर बाकी सभी रियायतें समाप्त करेंगे। इन रियायतों के तहत रूस, यूरोपीय और चीनी कंपनियों को ईरान के नागरिक परमाणु प्रतिष्ठानों में बिना अमेरिकी जुर्माने के काम जारी रखने की छूट थी। इन रियायतों का मार्च में नवीनीकरण किया गया था और यह इस सप्ताह के अंत में समाप्त होने वाला है। अधिकारियों के अनुसार इस रियायत को समाप्त किए जाने के बाद कंपनियों को अपना कामकाज समेटने के लिए 60 दिन का समय दिया जाएगा।

हांगकांग को लेकर अमेरिका का बड़ा फैसला, चीन के साथ और गहराएगा तनाव

फैसला

अमेरिका ने हॉन्ग कॉन्ग को दिया गया वैश्विक ट्रेड हब का दर्जा वापस लिया

- ■चीन पर लगाया स्वायतत्ता खत्म करने का आरोप
- ■अमेरिका और हॉन्ग कॉन्ग के बीच अरबों डॉलर का व्यापार का अब प्रभावित होना तय

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। चीनी राष्ट्रगान विधेयक को लेकर हॉन्ग कॉन्ग में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने वैश्विक ट्रेड हब के अपने दर्जे को वापस ले लिया है। अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने बताया कि हॉन्ग कॉन्ग को जिस आधार पर यह सुविधा मिली थी वह अब बचा नहीं है। चीन ने हॉन्ग कॉन्ग की स्वायतत्ता और स्वतंत्रता को खत्म लगभग खत्म कर दिया है।

हहन्ग कहन्ग को चीन से मिली स्वायतत्ता खत्म हो गई: अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि आज की तारीख में कोई भी यह नहीं कह सकता कि हॉन्ग कॉन्ग को चीन से स्वायतत्ता मिली हुई है। इसे लेकर अब कोई उम्मीद नहीं बची है। आज मैंने यूएस कांग्रेस को बता दिया है कि हॉन्ग कॉन्ग को अब चीन से मिली स्वायतत्ता खत्म हो गई है। इसे लेकर तथ्य भी पेश किए गए हैं। अमेरिका हॉन्ग कॉन्ग के लोगों के साथ खड़ा रहेगा।

नए सुरक्षा कानून से बढ़ा तनावः उन्होंने कहा कि हॉन्ग कॉन्ग को लेकर चीन ने कई कदम उठाए हैं इसमें नया सुरक्षा कानून सबसे ताजा उदाहरण है। बता दें कि हॉन्ग कॉन्ग की सड़कों पर इस कानून के विरोध में बड़ी संख्या में लोकतंत्र समर्थक आंदोलन कर रहे हैं। जबकि, चीन समर्थित पुलिस आंदोलनकारियों पर आंसू गैस के गोले दाग रही है।

क्या होगा असरः अमेरिका और हॉन्ग कॉन्ग के बीच इस कानून के तहत अरबों डॉलर का व्यापार होता है। जिसे अब प्रभावित होना तय माना जा रहा है। इतना ही नहीं, इस कानून के खत्म होने का असर चीन पर भी पड़ेगा। बता दें कि हॉन्ग कॉन्ग को चीन ने वैश्विक रूप से निवेश कैपिटल और कारोबारी हब के रूप में प्रमोट किया है। अमेरिकी निवेशक ही नहीं, बल्कि यूरोप और एशिया के बिजनेसमैन भी अब हॉन्ग कॉन्ग में निवेश करने से पहले सोचेंगे।

क्या है सुरक्षा कानूनः हॉन्ग कॉन्ग में नए सुरक्षा कानून को लागू करवा कर चीन अपनी पकड़ को मजबूत करना चाहता है। बता दें कि हॉन्ग कॉन्ग में बढ़ते विरोध प्रदर्शनों से चीनी सरकार घबराई हुई है। इस कानून के लागू हो जाने के बाद हॉन्ग कॉन्ग में विरोध प्रदर्शन करना आसान नहीं होगा। इसमें शामिल लोगों को चीन को प्रत्यर्पित किया जा सकता है।

1997 में चीन के हिस्से में था हॉन्ग–कॉन्गः अंग्रेजी अखबार अल जजीरा की कटरीना यू के मुताबिक इस विधेयक से पेइचिंग हॉन्ग–कॉन्ग की राजनीतिक उठापटक को अपने हाथ में लेने की कोशिश कर रहा है। बता दें कि हॉन्ग–कॉन्ग ब्रिटिश शासन से चीन के हाथ 1997 में एक देश, दो व्यवस्था के तहत आया और उसे खुद के भी कुछ अधिकार मिले हैं। इसमें अलग न्यायपालिका और नागरिकों के लिए आजादी के अधिकार शामिल हैं। यह व्यवस्था 2047 तक के लिए है।

लॉकडाउन में पिज्जा के लिए 250 मील का सफर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। कोरोना वायरस लॉकडाउन के दौरान जब पूरी दुनिया घरों में कैद थी तब ब्रिटेन के दो दोस्तों ने पिज्जा खाने के लिए 250 मील का लंबा सफर तय किया। लॉकडाउन के कारण उनके शहर हाउल में मैक डोनाल्ड के सभी आउटलेट्स बंद हो गए थे, लेकिन फॉस्टफूड के शौकीन दोनों दोस्तों ने पीटरबर्ग शहर जाकर अपना शौक पूरा किया।

बता दें कि रयान हॉल और पैस्ले हैमिल्टन नाम के दो दोस्तों ने इस यात्रा के दौरान अपनी खरीदारी से ज्यादा पैसा पेट्रोल में फूंक दिया। हालांकि, फास्ट फूड के इन दीवानों को अपने खर्च को लेकर कोई पछतावा नहीं है। बता दें कि हाउल से पीटरबर्ग की यात्रा के दौरान उन्होंने 27 यूरो के फ्यूल का प्रयोग किया। पीटरबर्ग पहुंचने के बाद भी इन्हें आउटलेट्स पर अपनी बारी आने के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। जिसके बाद उन्होंने चिकन मैकनट मील, लार्ज बिग मैक मील, दो कोक, दो डबल चीजबर्गर और एक फिलेट मछली का ऑर्डर दिया। इसके लिए उन्होंने 20 यूरो का भुगतान किया। उन्होंने आउटलेट की पार्किंग में ही अपने खाने को इंजॉय किया।

इस सफर को हमने खूब इंजॉय किया और भविष्य में अगर ऐसा मौका दोबारा आया तो हम इसे फिर से करेंगे।

कारोबारी विजय माल्या के प्रत्यर्पण में अभी देरी!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। भारतीय बैंकों से हजारों करोड़ का कर्ज लेने के बाद फरार कारोबारी विजय माल्या के प्रत्यर्पण का इंतजार लंबा हो चला है। कई महीनों पहले ही माल्या को भारत लाया जा सकता था। लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि यूके होम ऑफिस कानूनी वजहों से माल्या को सौंपने में देरी कर रहा है। ऐसी भी चर्चा है कि विजय माल्या ब्रिटेन में शरण के लिए आवेदन कर सकते हैं। एक बात यह सामने आ रही है कि ब्रिटेन में वह जो सिविल मामले लड़ रहे हैं, वे भी माल्या को भारत भेजने से पहले होम ऑफिस के आड़े आ रहे हैं। माल्या को तब तक भारत को प्रत्यर्पित नहीं किया जा सकता है, जब तक होम सेक्रटरी प्रीति पटेल दस्तखत नहीं करती हैं।

चीन में कोरोना वायरस के बिना लक्षण वाले मरीजों की बढ़ती तादात ने बढ़ाई टेंशन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बिना लक्षण वाले कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या 413 हुई

पेइचिंग। कोरोना वायरस की जन्मस्थली बने चीन में अब बिना लक्षण वाले मरीज टेंशन को बढ़ा रहे हैं। बता दें कि चीन में ऐसे साइलेंट कैरियर वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 413 हो गई है जिनमें कोरोना का कोई लक्षण देखने को नहीं मिला है, हालांकि टेस्ट के बाद वो पॉजिटिव पाए गए हैं। गुरुवार को भी चीन में 23 ऐसे मामले सामने आए जिनमें कोरोना के कोई लक्षण नहीं दिख रहे थे।

वुहान से सामने आ रहे ज्यादातर मामलेः चीन में सामने आ रहो कोरोना के मामलों में अधिकांश वुहान शहर से जुड़े हुए हैं। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने बताया कि बुधवार को बाहर से दो मामले सामने आए जिनमें से एक शंघाई में और दूसरा फुजियान में था। हालांकि, घरेलू संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया है।

बिना लक्षण वाले मरीजों की संख्या 413 हुईः बिना लक्षण वाले सभी 413 मरीज चिकित्सा निगरानी में हैं। इनमें से 344 मरीज वुहान में हैं। अप्रैल में 76 दिन का लॉकडाउन हटाए जाने के बाद वुहान में छह नए मामलों की पुष्टि हुई थी। वहां बिना लक्षण वाले कई मरीज सामने आ रहे हैं जिससे शहर के अधिकारियों को अपनी सभी 1.12 करोड़ की आबादी की जांच करानी पड़ रही है।

वुहान में 65 लाख लोगों की कोरोना जांचः आधिकारिक मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वुहान में अभी तक 65 लाख लोगों की जांच की गई है। बिना लक्षण वाले मरीजों का आना दिक्कत की बात है क्योंकि ये मरीज कोविड–19 से संक्रमित तो पाए जाते हैं लेकिन इनमें बुखार, खांसी या गले में सूजन जैसे कोई लक्षण नहीं दिखाई देते। लेकिन, इनसे दूसरे लोगों में बीमारी फैलने का खतरा होता है। एनएचसी ने बताया कि बुधवार तक चीन में कोविड–19 के 82,995 मामलों की पुष्टि की गई और इस संक्रामक रोग से मरने वाले लोगों की संख्या 4,634 रही।

महल में छिपा है हिटलर का 28 टन सोना! सैनिक की डायरी से खुलासा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वर्साय। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान हिटलर का 28 टन सोना पोलैंड के एक महल में छिपा हुआ है। हिटलर की सेना में शामिल एक सैनिक की डायरी से इस बात का खुलासा हुआ है कि उन्होंने रूसी सेना से बचाने के लिए खजाने को महल में छिपा दिया था। माना जाता है कि पोलैंड के व्रोकला शहर के पास स्थित होचबर्ग पैलेस के मैदान में एक कुएं के शॉफ्ट के नीचे सोने की छड़ें, सिक्के और ज्वैलरी जमीन के 200 फीट नीचे दबाकर रखी गई हैं। पोलिश–जर्मन सिलेसियन ब्रिज फाउंडेशन के रिसर्चर्स ने दावा किया है कि उन्हें हिटलर के निजी सेना के एक सिपाही की डायरी मिली है जिसमें लिखा है कि इस खजाने को द्वितीय विश्वयुद्ध में जर्मनी की हार के आशंका के कारण यहां दफना दिया गया था। कहा जाता है कि इस खजाने को पोलैंड के तत्कालीन शहर ब्रेस्लाउ के रीचबैंक में जमा करना था लेकिन ऐसा हो न सका। यह भी कहा जाता है कि 1945 में द्वितीय विश्वयुद्ध के समय स्थानी धनवान लोगों ने अपने कीमती सामानों को रूस की रेड आर्मी से सुरक्षित रखने के लिए जर्मनी की एसएस सैनिकों को सौंप दिया था।